# हिंडौन सिटी : झगड़े में घायल युवक की जयपुर में इलाज के दौरान मौत

## परिजनों ने युवक का अपहरण कर हत्या करने का आरोप लगाया

- 22 अप्रैल को गढ़ी पनवड़ा गांव में युवक महेंद्र गुर्जर पर कथित रूप से सुनियोजित तरीके से हमला किया गया था
- मृतक के भाई की ओर से हिंडौन सदर थाने में गढ़ी पनवड़ा निवासी सोनू, मुनेश मीणा सहित तीन लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया

**हिंडौन सिटी,** (निसं)। क्षेत्र के लपावली गांव निवासी एक युवक की जयपुर में इलाज के दौरान मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान महेंद्र गुर्जर (35) पुत्र दौजी के रूप में हुई है, जो पिछले कई दिनों से जयपुर के एसएमएस अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा था। मंगलवार सुबह करीब चार बजे उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 अप्रैल को गढ़ी पनवड़ा गांव में महेंद्र गुर्जर पर कथित रूप से सुनियोजित तरीके से हमला किया गया था। घटना के बाद 23 अप्रैल की सुबह वह सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे तुरंत हिंडौन के जिला अस्पताल लेकर गए। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया।

सदर थाना के एएसआई बदन सिंह ने बताया कि जयपुर में उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई, जिसके बाद एसएमएस अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया गया। मृतक के भाई राजेंद्र गुर्जर की ओर से हिंडौन सदर थाने में गढ़ी पनवड़ा निवासी सोनू, मुनेश मीणा सहित तीन लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया गया है।

परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपियों ने महेंद्र को घर से बुलाकर पहले उसका अपहरण किया और फिर बेरहमी से मारपीट कर उसे अधमरा कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से परिजनों में भारी आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस के अनुसार मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है तथा आरोपियों की तलाश के लिए टीमों का गठन किया गया है। फिलहाल झगड़े के पीछे के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है।

# संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, सिर पर चोट के निशान मिले

- पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए, आसपास के लोगों से भी पूछताछ की
- घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगा

**हिंडौन सिटी,** (निसं)। क्षेत्र के कल्याणपुर सायटा गांव में मंगलवार सुबह एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान रचना जाट (40) पत्नी भूपेंद्र सिंह के रूप में हुई है। महिला के सिर पर चोट के निशान पाए जाने से मामला और भी संदिग्ध हो गया है।

सदर थाना के एएसआई रजन लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर हिंडौन के जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। फिलहाल इस मामले में कोई लिखित रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है, रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार घटना के समय मृतका का पति भूपेंद्र सिंह तथा 18 वर्षीय पुत्र राजा बेंगलुरु में मजदूरी कर रहे थे, जबकि उसकी दोनों बेटियां स्कूल गई हुई थी। ऐसे में घटना के समय महिला घर पर अकेली थी। मृतका के पीहर पक्ष के जटवाड़ा निवासी पिता रंजीत ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 8:30 बजे सूचना मिली कि उनकी बेटी झगड़े में गंभीर रूप से घायल हो गई है और उसे अस्पताल ले जाया गया है। सूचना मिलते ही परिजन तुरंत अस्पताल पहुंचे, जहां महिला को मृत पाया गया। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगा।

## बंदी के वार्ड के पीछे एंड्राइड फोन मिला

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर केंद्रीय कारागार में लगातार निषिद्ध सामग्री मिल रही है। बीड़ी, गुटखा, जर्दा, मोबाइल आदि गत दिनों बरामद किए थे। एक बार फिर सर्च अभियान के समय विचाराधीन बंदी के वार्ड के पीछे लावारिश हालत में एंड्राइड फोन मिला है। फोन में सिम नहीं लगी थी। कार्यवाहक केंद्राधीक्षक ने विचाराधीन बंदी को नामजद कर रातानाडा थाने में इसकी रिपोर्ट दी है। रातानाडा पुलिस ने जोधपुर केंद्रीय कारागार के कार्यवाहक केंद्राधीक्षक कालूराम मीणा की तरफ से रिपोर्ट दी गई।

# बीकानेर : वीर चक्र विजेता ब्रिगेडियर जगमाल सिंह राठौड़ का निधन

बिग्रेडियर जगमाल सिंह।

- 'ब्रिगेडियर जगमाल सिंह 1971 के युद्ध में अपनी टीम के साथ पाकिस्तान में करीब 16 किलोमीटर तक घुस गए थे और पाकिस्तान आर्मी को अंदर तक खदेड़ दिया था'
- जगमाल सिंह ओलंपियन शूटर और वर्तमान में विधायक राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ के ताऊजी भी थे

**बीकानेर,** (निसं)। 1971 के भारत-पाकिस्तान के युद्ध में पाकिस्तान में घुसकर दुश्मन सैनिकों को मारने वाले बिग्रेडियर जगमाल सिंह का मंगलवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। युद्ध में अदम्य साहस के लिए जगमाल सिंह को वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। जगमाल सिंह ओलंपियन शूटर और वर्तमान में विधायक राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ के ताऊजी भी थे। उनकी बेटी ने बताया कि वे जीवन के अंतिम दिनों में भी काफी सक्रिय थे। वे सादुलगंज में रहते थे। बुधवार को राजपूत शांतिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

बेटी कविता ने बताया कि युद्ध के दौरान मेजर जगमाल सिंह राठौड़ भारतीय सेना की ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट की 13वीं बटालियन में तैनात थे, जिसे ऐतिहासिक रूप से 'गंगा जैसलमेर' के नाम से भी जाना जाता है। वे राजस्थान सेक्टर के दुर्गम रेगिस्तानी क्षेत्र में तैनात थे, जहां सैन्य सफलता के लिए गति, रणनीति और त्वरित निर्णय बेहद महत्वपूर्ण थे। मेजर राठौड़ को दुश्मन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और मजबूत सुरक्षा वाली चौकी पर कब्जा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। 6 दिसंबर को जैसे ही उनकी कंपनी ने हमला शुरू किया, पाकिस्तानी सेना ने भारी मशीनगनों और मोर्टार से तेज गोलाबारी शुरू कर दी। हमला इतना भीषण था कि पूरी आक्रमणकारी टुकड़ी की रफ्तार धीमी पड़ने लगी। हालांकि मेजर राठौड़ ने तुरंत स्थिति का आकलन किया। इसके बाद रणनीति बदली और स्वयं एक प्लाटून का नेतृत्व किया। वे दुश्मन की फायरिंग लाइन को चकमा देते हुए किनारे से आगे बढ़े। इसके बाद दुश्मन की चौकी पर धावा बोला। इससे दुश्मन फौज को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इसका जिक्र उनके वीरता पदक के प्रशस्ति पत्र में भी किया गया है।

बेटी ने बताया कि पिता के साहसिक नेतृत्व और व्यक्तिगत वीरता के कारण भारतीय सेना ने उस महत्वपूर्ण लक्ष्य पर सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया। इससे राजस्थान के रेगिस्तानी मोर्चे पर भारतीय सेना को महत्वपूर्ण सामरिक बढ़त मिली। पिता के कारण पाकिस्तानी सीमा में रानीहल चेक पोस्ट पर कब्जा किया जा सका और वहां तिरंगा फहरा दिया गया। देख पाकिस्तानी सेना घबरा गई और रेगिस्तानी इलाकों से पीछे हटने लगी थी। बेटी ने बताया कि पिता ब्रिगेडियर जगमाल सिंह 1971 के युद्ध में अपनी टीम के साथ पाकिस्तान में करीब 16 किलोमीटर तक घुस गए थे। उस समय इतने वाहन नहीं थे, तो बीकानेर की तरफ से ऊंटों पर ही वो अपनी बटालियन के साथ पाकिस्तानी सीमा में चले गए। पाकिस्तान आर्मी को अंदर तक खदेड़ दिया गया। दुश्मन के सैनिकों को बंदी भी बनाया। इस दौरान जगमाल सिंह और उनकी पूरी टीम ने बारूद गोलों के साथ हमला किया। कई बार उनकी जान पर भी बन आई थी, लेकिन वीरता का परिचय देते हुए उन्होंने पाकिस्तानी जवानों को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। तब न तो वॉकी टॉकी थे और न मोबाइल जैसी कोई सुविधा। ऐसे में दुश्मन तक पहुंचने के बाद भी अपनी बटालियन को सूचना देने के लिए रेडियो सिस्टम का उपयोग करना पड़ता था। वे युद्ध के मैदान में पूरे जज्बे के साथ उतरते थे। इसी कारण 1971 के युद्ध में उनकी वीरता के लिए वीरता सेवा मेडल से सम्मानित किया गया था।

गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान में 1971 का युद्ध करीब 13 दिन चला था। इसकी शुरुआत 3 दिसंबर 1971 को हुई और अंत 16 दिसंबर 1971 को हुआ था। इस युद्ध में भारत की निर्णायक जीत हुई थी। वहीं भारत के समर्थन से पूर्वी पाकिस्तान अलग होकर एक नया देश बांग्लादेश बना था। 16 दिसंबर 1971 को ढाका में पाकिस्तान की सेना ने भारतीय सेना के सामने सरेंडर कर दिया था।

# 20 किलो डोडा-पोस्त बरामद, दो गिरफ्तार

**अनूपगढ़,** (निसं)। रामसिंहपुर क्षेत्र में पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को 20 किलो 300 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त के साथ गिरफ्तार किया है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक कार भी जब्त की गई है।

श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक हरी शंकर ने मंगलवार को बताया कि रामसिंहपुर थाना प्रभारी अजय कुमार अपनी टीम के साथ नियमित गश्त पर थे। इसी दौरान एएनटीएफ के कांस्टेबल अवतार सिंह से सूचना मिली कि दो युवक कार में अवैध डोडा-पोस्त लेकर इलाके से गुजरने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल रामसिंहपुर क्षेत्र में नाकाबंदी की और संदिग्ध वाहन की जांच शुरू की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक कार को रुकवाया, जिसमें सवार दो व्यक्तियों की पहचान अमरजीत सिंह (42) पुत्र महेंद्र सिंह निवासी 26 जीबी हरिपुरा, श्रीविजयनगर और लालचंद (33) पुत्र भोलूराम निवासी 33 जीबी, श्रीविजयनगर के रूप में हुई। वाहन और आरोपियों की तलाशी लेने पर 20 किलो 300 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया गया। बरामदगी के बाद दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रामसिंहपुर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की आगे की जांच पदमपुर थाना प्रभारी सुमन जयपाल को सौंपी गई है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी अजय कुमार, एएसआई जयपाल, हैड कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल सुदेश कुमार, कांस्टेबल जयपाल, कांस्टेबल रुग्बीर सिंह, कांस्टेबल धर्मपाल, कांस्टेबल राकेश कुमार और एएनटीएफ के कांस्टेबल अवतार सिंह की अहम भूमिका रही।

## पुष्कर घूमने आए फ्रांस के पर्यटक की अजमेर में मौत

**अजमेर,** (निसं)। पुष्कर घूमने आए फ्रांस के एक पर्यटक की अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। मामले की सूचना पुलिस ने फ्रांस दूतावास को दे दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान पासपोर्ट के आधार पर 56 वर्षीय बोना जोसे के रूप में हुई है। वह पुष्कर में स्थित 'ए ब्लू स्टार इजराइली ढाबा होम स्टे' में ठहरे हुए थे।

होटल संचालक महेंद्र जैन ने बताया कि तबीयत खराब होने पर पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल में दिखाया गया, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें अजमेर के जेएलएन अस्पताल लाया गया। यहां डॉक्टरों ने पेट की आंत में गंभीर समस्या बताई और ऑपरेशन किया गया। मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव मोर्चरी में रखवाया है। साथ ही पासपोर्ट के आधार पर फ्रांस दूतावास को सूचना भेज दी गई है।

# उदयपुर में कई वर्षों से बंद पड़ी फैक्टरी के स्क्रैप में आग लगी

- धागा फैक्टरी पिछले कई वर्षों से बंद पड़ी है, वर्तमान में यहां फर्नीचर से जुड़ा काम होता है
- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह फैक्टरी के अंदर से निकल रहे बिजली के पोल में ब्लास्ट हुआ था
- आग को बुझाने के लिए फायरब्रिग्रेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब डेढ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

**उदयपुर,** (कासं)। शहर से सटे लोयरा क्षेत्र में फर्नीचर स्क्रैप में मंगलवार को आग लग गई। आग लगने की यह घटना श्रुति सिंथेटिक फैक्टरी परिसर की है। हालांकि यह धागा फैक्टरी पिछले कई वर्षों से बंद पड़ी है। वर्तमान में यहां फर्नीचर से जुड़ा काम होता है। सूचना मिलते ही नगर निगम की फायर ब्रिगेड और बड़गांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आग को बुझाने के लिए फायरब्रिग्रेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब डेढ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलने लगी और धुएं का गुबार करीब 2 से 3 किलोमीटर दूर तक दिखाई देने लगा। यह फैक्टरी उदयपुर शहर से करीब 10 किलोमीटर दूर है। फैक्टरी के आस-पास कोई आबादी नहीं है करीब 1 किलोमीटर दूर कुछ घर हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि फैक्टरी के बाहर श्रुति सिंथेटिक फैक्टरी का बोर्ड लगा हुआ है, लेकिन पिछले कुछ समय से यहां फर्नीचर फैक्टरी चल रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह अचानक फैक्टरी के अंदर से निकल रहे बिजली के पोल में ब्लास्ट हुआ था। इसके बाद फैक्टरी के पिछले हिस्से में पड़े वेस्ट मटेरियल ने आग पकड़ ली थी। आग इतनी भयानक थी कि डेढ़ घंटे से की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी।

नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग मुख्य फैक्टरी क्षेत्र तक नहीं पहुंची और समय रहते उसे कंट्रोल कर लिया गया। उन्होंने बताया कि फोम और पॉलिथीन सामग्री में आग लगने के कारण धुआं ज्यादा फैला था। फैक्टरी मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बिजली के पोल में शॉर्ट सर्किट के बाद हुआ ब्लास्ट बताया जा रहा है।

# जोधपुर में निजी अस्पताल में महिला की मौत

- परिजनों ने डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाकर प्रदर्शन किया

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के पाल रोड स्थित एक निजी अस्पताल में सोमवार की रात को महिला की मौत हो गई। उसकी बच्चेदानी और हार्ट इश्यु के चलते ऑपरेशन किया गया था। मगर ऑपरेशन के कुछ समय बाद महिला की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया और सुबह धरना प्रदर्शन करने लगे। डॉक्टर्स का लाइसेंस रद्द करने, पचास लाख तक मुआवजा भी मांगा गया। अस्पताल परिसर के बाहर धरना एवं प्रदर्शन को देखते हुए देवनगर पुलिस मौके पर पहुंची। परिजन की तरफ से पुलिस में परिवाद दिया गया है, जिस पर पुलिस ने अब जांच आरंभ की है। शव को दोपहर बाद अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। अग्रिम कार्रवाई जारी है।

देवनगर थानाधिकारी सोमकरण ने बताया कि बनाड़ के देवलिया गांव की रहने वाली 50 साल की कंचन कंवर को सोमवार की रात को परिजन बीमारी की अवस्था में पाल रोड स्थित एक निजी अस्पताल लेकर आए थे। जहां पर कंचन कंवर का डॉक्टर ने ऑपरेशन किया था, मगर उसकी रात को ही मौत हो गई थी। प्रथम दृष्टया बताया गया कि कंचन कंवर को बच्चेदानी और हार्ट का इश्यु था। इधर परिजन ने अस्पताल के डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सुबह अस्पताल परिसर पर एकत्र हो गए। बाद में डॉक्टर्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग के साथ मृतक के आश्रितों को पचास लाख मुआवजे की मांग करने लगे। थानाधिकारी सोमकरण ने बताया कि परिजन की तरफ से परिवाद दिया गया है, जिस पर जांच की जा रही है।

# अजमेर : श्वानों के हमले में घायल डेढ़ माह के मासूम की अस्पताल में मौत

- घायल मासूम का जेएलएन अस्पताल में चार दिन तक वेंटिलेटर पर इलाज चला था

**अजमेर,** (निसं)। पीसांगन क्षेत्र के कालेसरा गांव में कुत्तों (श्वानों) के हमले में गंभीर रूप से घायल डेढ़ महीने के मासूम ने चार दिन तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद मंगलवार सुबह जेएलएन अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल की रात मासूम अपनी झोपड़ी में सो रहा था, जबकि उसकी मां बाहर खाना बना रही थी और पिता काम पर गए हुए थे। इसी दौरान आवारा कुत्तों का झुंड झोंपड़ी में घुस आया और बच्चे पर हमला कर दिया। पास ही सो रहा तीन साल का बड़ा भाई कंबल ओढ़े होने के कारण सुरक्षित बच गया। मासूम के रोने की आवाज सुनकर मां मौके पर पहुंची और हिम्मत दिखाते हुए कुत्तों से संघर्ष कर बच्चे को उनके चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद परिजन तत्काल उसे अजमेर के जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसे वेंटिलेटर पर रखा गया।

अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार बच्चे की हालत अत्यंत गंभीर थी। हमले के कारण उसके शरीर को गहरी क्षति पहुंची थी और कई अंग प्रभावित हो गए थे। चिकित्सकों की टीम ने ऑपरेशन कर स्थिति संभालने का प्रयास किया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हो सका। एक बार उसकी धड़कन रुकने पर सीपीआर देकर पुनः चालू किया गया, लेकिन अंततः मंगलवार सुबह उसे बचाया नहीं जा सका। इस हृदयविदारक घटना के बाद परिवार में मातम छा गया है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

# बयाना में मौसमी बीमारियों का प्रकोप, उपजिला अस्पताल में बेड कम पड़े

- चिकित्सा कर्मियों को एक ही बेड पर दो-दो और तीन-तीन मरीजों का इलाज करना पड़ रहा है

**बयाना/भरतपुर,** (निसं)। बयाना क्षेत्र में मौसम परिवर्तन के साथ ही मौसमी बीमारियों ने तेजी से पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। अचानक बढ़ी मरीजों की संख्या ने स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी है। 100 बेड की क्षमता वाले बयाना उपजिला अस्पताल में हालात इस कदर बिगड़ गए हैं कि मरीजों के लिए बेड तक उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। मजबूरी में चिकित्सा कर्मियों को एक ही बेड पर दो-दो और तीन-तीन मरीजों का इलाज करना पड़ रहा है। अस्पताल में भीड़ इतनी बढ़ गई है कि मरीजों को उचित देखभाल और समय पर उपचार मिलना मुश्किल होता जा रहा है।

कई मरीजों और उनके परिजनों ने आरोप लगाया है कि पर्याप्त संसाधनों और स्टाफ की कमी के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, अस्पताल प्रशासन स्थिति को संभालने में जुटा हुआ है, लेकिन संसाधनों की कमी आड़े आ रही है। इधर, क्षेत्र की जनता बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलने से नाराज नजर आ रही है। लोगों का कहना है कि हर साल मौसम बदलते ही ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। दूसरी ओर, सरकारी अस्पताल की इस अव्यवस्था का सीधा फायदा निजी चिकित्सालयों को मिल रहा है। निजी डॉक्टरों के यहां मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे उनकी कमाई में भी इजाफा हो रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अस्पताल में अतिरिक्त बेड, दवाइयों और चिकित्सा स्टाफ की व्यवस्था जल्द से जल्द की जाए, ताकि मरीजों को बेहतर उपचार मिल सके।


**कार्यालय नगरपरिषद् चूरू (राजस्थान)**

क्रमांक : न.प./चूरू/स्टोर शाखा/2026-27/21765035 दिनांक : 24.04.2026

**ई-निविदा सूचना 07 वर्ष 2026-27**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगरपरिषद, चूरू द्वारा 01 कार्य की निविदा आईडी नम्बर DLB2627A0903 आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगरपरिषद चूरू के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकता है। UBN NO. DLB2627SLOB02555

राज.संवाद/सी/26/1676 आयुक्त, नगरपरिषद् चूरू

**कार्यालय नगरपालिका मण्डल फुलेरा, जिला-जयपुर**

क्रमांक/न.पा.फु./निर्माण शाखा/2026-27/209 दिनांक:- 23.04.2026

**ई-बोली सूचना (01/2026-27)**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका सांभरलेक में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभाग के संबंधित श्रेणी "A"AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑन-लाईन बोली आमंत्रित की जाती है, बोली फार्म एवं ई-बोली से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code:-DLB2627WSOB02422, DLB2627WSOB02423, DLB2627WSOB02424

राज.संवाद/सी/26/1627 अधिशाषी अधिकारी

**कार्यालय नगर पालिका सूरौठ जिला करौली (राज.)**

क्रमांक :- 751 दिनांक - 24.04.2026

**ई-निविदा सूचना वर्ष 2026-27**

नगर पालिका सूरौठ द्वारा वर्ष 2026-27 के तहत स्टोर शाखा/संस्थापन शाखा से सामाग्री आपूर्ति एवं अन्य कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। जिसनमें पंजीकृत संवेदको/एन.जी.ओ./प्लेसमेन्ट एजेन्सियों/उत्पादको/संभरण कर्ताओ एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण बेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in तथा eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। इच्छुक संवेदको को ई-निविदा में भाग लेने हेतु बेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है।

NIB CODE : DLB2627A0923

राज.संवाद/सी/26/1623 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सूरौठ

Visit us : www.mpuat.ac.in; Mail ID : zdr_arsb@yahoo.com; मोबाईल न. 8112207969, 9414389929

**कृषि अनुसंधान केन्द्र**

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय)

दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327 001

क्रमांक: एफ( )/कृअके/स्टोर/2026/22-31 दिनांक: 28/04/2026

**आम फलों की नीलामी**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, कृषि अनुसंधान केन्द्र, दाहोद रोड़, बोरवट फार्म पर कलमी/देशी आम के फलित पेड़ों (दशहरी, लंगडा, राजभोग, बाम्बे ग्रीन, केसर, आम्रपाली, मल्लिका, बजरंग एवं अन्य) के फलों की खुली नीलामी दिनांक 07/05/2026 को प्रातः 11.30 बजे, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर जहाँ है जैसे है की स्थिति में की जानी है। अतः इच्छुक क्रेता तय तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते है। बोली लगाने से पूर्व धरोहर राशि रूपये 10,000/- नगद जमा करवानी अनिवार्य होगी। साथ ही बोलीदाता द्वारा कार्यालय द्वारा तय नियम एवं शर्तो की सहमति रू. 100/- के स्टाम्प पर मुद्रित एवं नोटरी करवाकर एवं आधार कार्ड की छायाप्रति तथा हस्ताक्षर सहित एक चेक (खाली चेक) धरोहर राशि के साथ जमा करावे। अन्तिम बोली जिस व्यक्ति/फर्म के नाम से होगी, उसे बोली राशि की आधी राशि (50 प्रतिशत) तुरन्त जमा करवानी होगी एवं शेष राशि 7 दिन के भीतर जमा करवानी होगी। सम्पूर्ण राशि जमा होने के पश्चात ही बोलीदाता को फल तोड़ने की अनुमति दी जाएगी। नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी एवं बगीचे के अवलोकन हेतु कार्यालय समय में सम्पर्क कर सकते है।

हस्ताक्षर/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान


# बीकानेर में मारपीट का आरोपी थाने से भागा

**बीकानेर,** (निसं)। कोटगेट थाने से मंगलवार सुबह करीब दस बजे मारपीट के मामले में हिरासत में लिया गया आरोपी मेडिकल के लिए ले जाते समय पुलिस को धक्का देकर भाग गया। आरोपी आजाद उर्फ कलवा को रात में पकड़ा गया था और पुलिसकर्मी उसे गाड़ी में बैठाकर हॉस्पिटल ले जा रहे थे। इसी दौरान वह गलियों के रास्ते निकल गया। घटना के बाद शहर के सभी थानों को अलर्ट कर तलाश शुरू की गई है और उसकी पहचान के साथ संपर्क नंबर भी जारी किए गए हैं।

कोटगेट थानाधिकारी धीरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि बीती रात मारपीट के मामले में आजाद उर्फ कलवा को हिरासत में लिया गया था। मंगलवार सुबह उसे मेडिकल मुआयना के लिए पुलिसकर्मी थाने के बाहर खड़ी गाड़ी में बैठाकर हॉस्पिटल ले जा रहे थे। इसी दौरान उसने पुलिसकर्मियों को धक्का दिया और भाग निकला। दोनों पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते उससे पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गया। वह पास की गलियों के रास्ते निकल गया, जिससे पुलिस उसे तुरंत पकड़ नहीं सकी।

घटना के बाद बीकानेर के सभी पुलिस थानों को अलर्ट किया गया है। आरोपी की जगह-जगह तलाश की जा रही है। पुलिस उसकी तलाश में उसके घर भी पहुंच रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से दर्ज मारपीट के मामले के साथ अब पुलिस हिरासत से भागने का अलग केस भी दर्ज किया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई होगी। पुलिस के अनुसार आरोपी आजाद उर्फ कलवा (21) पुत्र कायम सिंधी मुसलमाननिवासी चोखुटी फांटक हुसैनी मस्जिद के पीछे मेघवालों का मोहल्ला, थाना कोटगेट जिला बीकानेर का रहने वाला है। घटना के समय उसने क्रीम रंग की टी-शर्ट और ब्लैक लोवर पहन रखी थी।

# हनुमानगढ़ : फर्जी आधार कार्ड मामले में तीन अन्य आरोपी भी गिरफ्तार

- फर्जी बायोमेट्रिक के जरिए आधार कार्ड बनाने के मामले में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आई है
- भिरानी थाना पुलिस ने मामले में डीओआईटी के प्रोग्रामर दिनेश कुमार, सहायक प्रोग्रामर रामनिवास सोनी और संविदाकर्मी रवि शीला को गिरफ्तार किया
- गत 17 अप्रैल को एटीएस जयपुर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने भादरा कस्बे में एक अवैध आधार सेंटर पर छापा मारा था

**हनुमानगढ़,** (निसं)। जिले के भादरा कस्बे में फर्जी बायोमेट्रिक के जरिए आधार कार्ड बनाने के मामले में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आई है। भिरानी थाना पुलिस ने इस मामले में डीओआईटी के प्रोग्रामर दिनेश कुमार, सहायक प्रोग्रामर रामनिवास सोनी और संविदाकर्मी रवि शीला को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार यह मामला तब सामने आया जब 17 अप्रैल को एटीएस जयपुर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने भादरा कस्बे में एक अवैध आधार सेंटर पर छापा मारा था। इस दौरान मुख्य आरोपी कुलदीप शर्मा को लैपटॉप, प्रिंटर, बायोमेट्रिक उपकरण और अन्य सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि यह गिरोह फर्जी तरीके से आधार कार्ड बना रहा था। इन फर्जी आधार कार्डों का उपयोग फर्जी सिम कार्ड जारी करने, सायबर अपराधों और अन्य राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में होने की आशंका है। इसी गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डीओआईटी के प्रोग्रामर दिनेश कुमार निवासी नई खुंजा, हनुमानगढ़ जंक्शन, हाल किराएदार भादरा, सहायक प्रोग्रामर रामनिवास सोनी निवासी अनूपशहर, भादरा और संविदाकर्मी आर-स्वान इंजीनियर रवि शीला निवासी चनाण, भादरा को गिरफ्तार किया। तीनों को न्यायालय में पेश कर 2 मई तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में इससे पहले भी 4 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। इन तीन नई गिरफ्तारियों के साथ, अब तक सात आरोपी पकड़े जा चुके हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह ने कितने फर्जी आधार कार्ड बनाए और उनका उपयोग किन-किन आपराधिक गतिविधियों में किया गया। पुलिस का कहना है कि इस गिरोह का नेटवर्क काफी बड़ा हो सकता है और इसमें अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। यूआईडीएआई और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।